जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

31 जनवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

छात्र कल्याण अधिष्ठान एवं संस्कृत विभाग द्वारा तृतीय काशी-तमिल संगम 2025 के अंतर्गत विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

भारत की सांस्कृतिक एकता एवं तमिल साहित्य में ऋषि अगस्त्य के अनन्य योगदान को जनमानस तक पहुँचाने की दृष्टि से तृतीय काशी-तमिल संगम का आयोजन वाराणसी में 15-24 फरवरी को होने जा रहा है। इस संगम के उद्देश्यों से विश्वविद्यालयीय छात्र भी अवगत हों एतदर्थ भारत के शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार जामिया मिल्लिया इस्लामिया (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के संस्कृत विभाग एवं छात्र कल्याण अधिष्ठान द्वारा दिनांक 31 जनवरी 2025 को प्रातःकाल 11:00 बजे से 'सांस्कृतिक एकता और आयुर्वेद में ऋषि अगत्स्य का योगदान' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. के. अनन्त, अध्यक्ष, विशिष्टाद्वैत विभाग, दर्शन पीठ, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपने वक्तव्य में ऋषि अगस्त्य के आयुर्वेद शास्त्र विषयक योगदानों पर विस्तार से विवेचन किया। उन्होंने बताया कि अगस्त्यसंहिता एवं अगस्त्यरसायन में अगस्त्य ऋषि ने आयुर्वेद विषयक ऐसे अनेक औषधियों का विवेचन किया है जिनका उपयोग आज भी हम दैनिक जीवन में घरेलू उपचार के रूप में करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने अगस्त्य ऋषि के तमिल साहित्य विषयक योगदान को रेखांकित करने वाले तमिल के शिलपपादिकारम्, मणिमेखलै आदि अन्य ग्रंथों की भी चर्चा की।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. निलोफर अफज़ल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अपने उद्बोधन में ऋषि अगस्त्य के सांस्कृतिक एकता विषयक योगदान पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु उन्होंने संस्कृत विभाग को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में डॉ. सबा महमूद बशीर, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता ने छात्रों को संबोधित करते हुए ऋषि अगस्त्य प्रणीत उन्हें शास्त्रों के अध्ययन हेतु प्रेरित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. इक्तेदार मो. खान, संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं भाषा ने भारत की सांस्कृतिक वैशिष्ट्य को बतलाते हुए सभी धर्मों की सामाजिक समरसता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगलाचरण से हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश नरायण द्वारा अध्यक्ष, मुख्य वक्ता, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं उपस्थित श्रोताओं का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. धनञ्जय मणि त्रिपाठी, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग के अध्यापकों, शोधच्छात्रों एवं अन्य विभागीय छात्रों की सक्रिय उपस्थिति रही। धन्यवाद ज्ञापन एवं शान्तिपाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

31.01.2025

संस्कृतविभागः
संस्कृतविभागः

संस्कृतविभाग
या-मिल्लिया-इस्लामिया,
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++

VOLTAS
छात्र-कल्याण अधिष्ठान एवं संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
तृतीय काशी-तमिल सङ्गम
के अन्तर्गत आयोजित
विशिष्ट व्याख्यान
सांस्कृतिक एकता और आयुर्वेदशास्त्र में ऋषि अगस्त्य का योगदान
आप सभी सादर आमन्त्रित हैं।
संस्कृतविभागः

छात्र-कल्याण अधिष्ठान एवं संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

(राष्ट्रीय मूल्याङ्कन परिषद् से A ++ श्रेणी प्राप्त केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

द्वारा

तृतीय काशी-तमिल सङ्गम

के अन्तर्गत आयोजित

विशिष्ट व्याख्यान

सांस्कृतिक एकता और आयुर्वेदशास्त्र में ऋषि अगस्त्य का योगदान

मुख्यवक्ता
प्रो. के. अनन्त
आचार्य, दर्शन पीठ
श्री लाल बहादुर शास्त्री
राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

अध्यक्ष
प्रो. इक्तेदार मो. खान
संकायाध्यक्ष, मानविकी और भाषा
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली

मुख्यातिथि
प्रो. निलोफर अफ़ज़ल
छात्र कल्याण अधिष्ठाता
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि
डॉ. सबा महमूद बशीर
सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता जामिया
मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली

सान्निध्य
डॉ. जय प्रकाश नारायण
विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली

31.01.2025
पूर्वाह्न 11:00 बजे

आप सभी सादर आमन्त्रित हैं।

सङ्गोष्ठी कक्ष, संस्कृत विभाग

आयोजक : संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली